

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44

नई दिल्ली, मंगलवार, मई, 16, 1972/वैशाख 26, 1894

No. 44

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 16, 1972/VAISAKHA 26, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (Posts & Telegraphs Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May 1972

G.S.R. 280(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Third Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force at once.

2. In rule 2 of the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as a said rules) after clause (bbb), the following clause shall be inserted, namely:—

“(ccc) **Absentee subscribers service facility** means the facility whereby during the temporary absence of a subscriber from the premises where the telephone service has been provided under these rules, such information as is required by the subscriber to be given to his callers shall be arranged to be given by the Department.”

3. In rule 434 of the said rules, under the heading “VI. Charges for additional facilities” after item (2), the following item shall be inserted, namely:—

“(3) The charges for the absentee subscriber service facility shall be as follows:—

(a) Non-recurring charges for provision of the facility on every occasion when such facility is required. Rs. 15/-

(b) Recurring charges for every day or part thereof for which the facility is provided. Re. 1.

[No. 2-16/72-PHA.]

B. S. RAU,

Senior Member (Telecom. Operation)
and *Ex-officio* Addl. Secy. (Communications).

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 1972

सांकांनि 280 (अ).—भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय तार नियम, 1951 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय तार (तृतीय संशोधन) नियम, 1972 होगा।

(2) वे तत्काल प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 2 में (जिसको कि इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) खण्ड (ख ख ख) के बाद निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग ग ग) अनुपस्थित उपभोक्ता सेवा सुविधा से तात्पर्य उन्हें ऐसी सुविधा प्रदान करने से है जहाँ इन नियमों के अन्तर्गत टेलीफोन सेवा प्रदान की गई है, उस अर्हाते से उपभोक्ता की अस्थायी अनुपस्थिति के दौरान उपभोक्ता द्वारा अपेक्षित सूचना जैसी उसके टेलीफोन कल करने वालों को विभाग एक्सचेंज द्वारा दी जाएगी।

3. उक्त नियमों के नियम 434 में शीर्षक “VI अतिरिक्त सुविधाओं के लिए प्रभार” के अन्तर्गत मद (2) के बाद निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

“(3) अनुपस्थित उपभोक्ता सेवा सुविधा के लिए प्रभार निम्नलिखित होंगे :—

(क) जब इस प्रकार की सुविधा अपेक्षित हो तो प्रत्येक अवसर पर सुविधा की व्यवस्था के लिए अनावर्ती प्रभार 15 रु०

(ख) ऐसे प्रत्येक दिन या उसके किसी भाग के लिए जिसके लिए सुविधा प्रदान की जाती है आवर्ती प्रभार

1 रु०

[सं० 2-16/72-पी० एच० ए०]

बी० एस० राव,

वरिष्ठ सदस्य (दूर संचार प्रचालन)

तथा पदेन अतिरिक्त सचिव (संचार)।

